

कलयामि रघुरामम्

रागम्: बेगड ताळम्: मिश्र चापु

(श्री स्वाति तिरुनाळ् विरचित)

पल्लवि

कलयामि रघुरामम् भूप ललामम्

अनुपल्लवि

नीलोत्पलसन्निभगात्रं परमपवित्रम्

चरणम्

धनदानुज घनवनदहनं तप्त-

कनकनिभवसनं वनजाक्षम्

सनकादिमुनिविनुत शुभचरितं

मनसिजरूपं अनवदग्म् ॥ १ ॥

करुणावारिनिधिं चरणनलिनपूत -

वरतापसमहिळं सुरपालम्

कुरुविन्दनिभरदं परमपुरुषमिह

धरणी नन्दिनीकेळीपरमीशम् ॥ २ ॥

दुमणिकुलतिलकं विमलगुण सर्व-

शमलहरण चणं रमणीयम्

कुमुदैकबान्धव समवदनं श्री

कमलामं घनशोभम् ॥ ३ ॥

